विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -१०- ०७ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों शब्द विचार के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

2. शब्द विचार

परिभाषा:

वर्ण या अक्षरों का वह समूह जो अलग-अलग सुनाई दे सके, उसे 'शब्द' कहते हैं। शब्द दो प्रकार के होते हैं

1. सार्थक शब्द: जिनका कुछ अर्थ हो; जैसे- जल, रोटी।।

2. निरर्थक शब्द: जिनका कोई अर्थ न हो; जैसे- जल-वल में 'वल' शब्द को कोई अर्थ नहीं है, अतः 'वल' निरर्थक शब्द है। व्याकरण में इस प्रकार के शब्दों पर विचार नहीं किया जाता है, केवल सार्थक शब्दों पर ही विचार किया जाता है।

शब्दों के भेद:

शब्दों के प्रमुख भेद इस प्रकार हैं

1. **संज्ञा**
2. **सर्वनाम**
3. **विशेषण**
4. **क्रिया**
5. **क्रियाविशेषण**
6. **सम्बन्धबोधक**
7. **समुच्चयबोधक**
8. **विस्मयादिबोधक।**

संज्ञा

संज्ञा की परिभाषा:

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या अवस्था के नाम को संज्ञा' कहते हैं, जैसे- राम, लेखनी, पुस्तक, दिल्ली।

संज्ञा के भेद- संज्ञा के तीन प्रमुख भेद होते हैं

1. जातिवाचक संज्ञा:

जिस संज्ञा शब्द से एक ही प्रकार अथवा जाति की सभी वस्तुओं का बोध होता हो, उसे 'जातिवाचक संज्ञा' कहते हैं, जैसे- पुस्तक, लेखनी, नगर, वृक्ष, गाय, मनुष्य आदि।

2. व्यक्तिवाचक संज्ञा:

जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध हो, उसे 'व्यक्तिवाचक संज्ञा' कहते हैं; जैसे- रामायण, मोहन, गंगा, भारत, हिमालय आदि। हम प्रत्येक पुस्तक को रामायण नहीं कह सकते। इसी प्रकार प्रत्येक नदी को गंगा नहीं कह सकते। इसलिए 'रामायण', 'गंगा' आदि शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा हैं।